कोविड-19 में संगीत की स्थिति का अध्ययन
(गायन के सन्दर्भ में)

दयालबाग शिक्षण संस्थान (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा से संगीत में
पीएच.डी. की उपाधि हेतु प्रस्तुत
शोध-प्रबंध की
रूपरेखा

शोध निर्देशिका
प्रो0 (श्रीमती) लवली शर्मा
संगीत विभाग

शोधार्थिनी
वैष्णवी शर्मा
संगीत (गायन)

संगीत विभाग, कला संकाय
दयालबाग़ शिक्षण संस्थान (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)
दयालबाग, आगरा-282005
2022

भूमिका:-

वैश्विक महामारी कोविड-19, एक प्रकार का संक्रमण है। इसका आरंभ चीन के वुहान शहर से दिसम्बर माह सन् 2019 में हुआ। एक संक्रमक महामारी होने के कारण इसने तीव्र गति के साथ पूरे विश्व को अपने प्रकोप में ले लिया, जिसमें भारत देश भी पूर्णतः प्रभावित रहा। ऐसा नहीं है कि महामारी पहली बार हमारे भारत देश में आयी है। इससे पहले भी अनेकों प्रकार की महामारियों का प्रकोप रहा है।

जैसे-

1. 1961-1975 (हैजा महामारी)
2. 1968-1969 (फ्लू महामारी)
3. 1974 (चेचक महामारी)
4. 2006 (डेंगू-चिकनगुनिया)
5. 2014 (स्वाइन फ्लू)
6. 2019 (कोरोना वाइरस)

उपरोक्त महामारियों के इतिहास व जनजीवन पर पड़े उनके प्रभाव का अध्ययन करने के पश्चात् यह ज्ञात हुआ कि कोविड-19 भी एक प्रकार की महामारी है, चूँकि इस महामारी का प्रभाव भी जनजीवन पर बहुतायत रूप में समान प्रकार से देखने को मिला। दैनिक जीवन व जीविका के साथ-साथ शिक्षा का प्रत्येक क्षेत्र भी इस महामारी की चपेट में आ गया, जिसमें संगीत का क्षेत्र भी निहित है। यह महामारी संगीत के लिए एक प्रकार का अभिशाप बनकर आई, जिसने संगीत को प्रत्येक स्तर पर प्रभावित किया है। सदियों से चली आ रही भारतीय संगीत ज्ञान की शाखाओं में संगीत कला की धरोहर मौखिक परम्पराओं की अनुपम थाती से अग्रसरित एवं पल्लवित हुई है। संगीत कला श्रुति परम्परा के माध्यम से साक्षात् गुरूओं की उपस्थिति में ही शिष्यों में संचारित होती है एवं दूसरी तरफ मंच-प्रदर्शन में सुधी श्रोताओं के कलाकार की कला प्रस्तुति में उत्कर्ष लाता है। किन्तु इस वैश्विक महामारी के कारण संगीत शिक्षा तथा कलाकारों द्वारा कला का प्रदर्शन एवं विभिन्न

सांगीतिक गतिविधियाँ (कार्यशाला, सम्मेलन, संगोष्ठी) विभिन्न विद्युत यंत्रों द्वारा जैसे - वर्चुअल क्लासरूम, फोन, वीडियो, कम्प्यूटर आदि द्वारा संचालित होने लगी। इन्हीं विद्युत यंत्रों द्वारा कलाकार अपने घरों में रहते हुए भी संगीत से जुड़ा हुआ महसूस कर रहे हैं तथा विद्यार्थी कक्षा में उपस्थित न होते हुए भी संगीत से जुड़े रहे हैं। वर्तमान समय में विद्यार्थी गुरू से साक्षात् शिक्षा ग्रहण करने के अतिरिक्त वर्चुअल संसाधन, वेब संसाधन के द्वारा बड़ी सरलता से बहुत कुछ सीख सकता है, सुन सकता है, क्योंकि आज के समय में हमारे पास काफी उपयोगी ऐसे विकल्प आ गये हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

संगीत कला की धरोहर को संजोये रखने के लिए कोविड जैसी महामारी जिससे सम्पूर्ण जन-जीवन प्रभावित रहा, साथ ही कोरोना काल में भी संगीत शिक्षा व प्रतियोगिताओं का प्रचार-प्रसार ऑनलाइन माध्यम से संगीत जगत के विद्वान, शिक्षक, विद्यार्थी व संगीत जिज्ञासुओं द्वारा पूर्ण रूप से होता रहा है। परन्तु इस संदर्भ में विचार किया जाये तो संगीत शिक्षा, संगीत प्रस्तुति व संगीत के स्तर को एक नया आयाम प्राप्त नहीं हो सका है। क्योंकि हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत पुरातन समय से ही गुरू शिष्य परम्परा का द्योतक रहा है। लेकिन इस महामारी के काल में सीमित साधनों के प्रभाव के कारण इस परम्परा का जीवन्त रूप प्रदान नहीं हो सका व संगीत का स्तर उच्च होने के स्थान पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव से पूर्णतया प्रभावित रहा व परिष्कृत रूप प्राप्त नहीं कर सका।

अतः कोविड-19 के प्रभाव को संगीत शिक्षा के संदर्भ में दो पहलुओं में स्पष्ट किया जा सकता है। जिसमें संगीत शिक्षा डिजिटल उपकरणों के माध्यम से जनसाधारण तक पहुँची जिससे संगीत को देश व विदेश में एक नई पहचान मिली वहीं दूसरी ओर सीमित साधनों के होने से गुरू के समक्ष प्रत्यक्ष रूप से संगीत शिक्षा का आदान-प्रदान न हो पाने के कारण संगीत के स्तर में औसतन वृद्धि न के बराबर रही है।

वर्तमान में चल रही इस महामारी "कोविड-19" का प्रकोप जिस प्रकार जन-जीवन को प्रभावित कर रहा है उसी प्रकार संगीत शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव को प्रकाश में लाने व संगीत शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारणों को खोजने व संगीत की स्थिति को जानने की तीव्र इच्छा के कारण शोधकर्त्री **"कोविड-19 में संगीत की**

स्थिति का अध्ययन (गायन के संदर्भ में)" हेतु शोध कार्य करने को उत्साहित एवं तत्पर है तथा शोध हेतु इस विषय से सम्बन्धित सामग्री को सर्वेक्षण के माध्यम से शोधकत्र्री द्वारा दिया गया विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण:-

पुस्तकें:-

1. द कोराना वायरस: एक वैश्विक महामारी, बुटोलिया, सुनील, 2020
2. कोरोना संक्रमण: एक व्यवहारिक दृष्टिकोणः गुप्ता, डॉ. सीमा, खन्ना, डॉ. पूजा, 2020
3. मंच प्रदर्शन में कलाकार एवं श्रोता: तिवारी, हरीश कुमार, 2005
4. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात्, उत्तर भारतीय संगीत के विविध आयाम एक समालोचनात्मक मूल्यांकनः गुप्ता, डॉ. सुचि, 2019
5. भारतीय सभ्यता संस्कृति एवं संगीतः मित्तल, अंजलि, 2016
6. संगीत प्रवाहः सिन्हा, डॉ. ज्योति, 2012
7. भारतीय संगीत का इतिहासः सिंह, स्व. डॉ. ठाकुर जयदेव, 1994
8. संगीत शास्त्र एवं संगीत प्रदर्शन: भृगुवंशी, शिखा, 2013
9. शास्त्रीय संगीत शिक्षा: समस्याएं एवं समाधानः पलनीटकर, डॉ. अलकनंदा, 2006
10. भारतीय संगीत को मीडिया और संस्थानों का योगदान: शर्मा, डॉ. राधिका, 2006
11. भारतीय संगीत में वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग: गौतम, अनीता, 2002

लेख:-

1. कोरोना काल क्या शास्त्रीय संगीत की तबियत को भी बिगाड़ेगा: शंकर, चित्रा, दिप्रिंट,14 जून, 2020
2. कोरोना वायरस के भय से गोवा संगीत महोत्सव स्थगितः मुन्शी, एस.एफ., 13 मार्च 2020, पत्रिका

3. कोरोना काल और संगीत: स्मृतियों में गूंजती है एक आवाज, जाने कहा गए वो दिन, प्रसाद, मीनाक्षी, अमर उजाला,20 जून 2020

4. कोराना काल में परदे के पीछे के कलाकारों का बुरा हाल: उपाध्याय, अमलेन्दु, हस्तक्षेप,जून 10, 2020

वेबसाइटः-

1. him.wikipedia.org
2. m-hindi.webdunia.com
3. www.jansatta.com
4. www.thelallantop.com
5. www.mycubhor.com
6. www.haidunia.com
7. https://www.orfonline.org/hindi/research/the-need-and-challenges-of-online-education-in-covid-19-era/
8. https://www.news.un.org/history/2020/12/1036462
9. https://www.hastakshep.com/effect-of-lockdown-on-the-families-of-folk-artists/

उपर्युक्त साहित्य का सर्वेक्षण करने के पश्चात् शोधकर्त्री को ज्ञात हुआ कि **'चित्रा शंकर'** द्वारा लिखित लेख **'कोरोना काल क्या शास्त्रीय संगीत की तबियत को भी बिगाड़ेगा'** में भारतीय शास्त्रीय संगीत पर ही विवरण प्राप्त हुआ है, पूर्ण रूप से कोविड-19 में संगीत की स्थिति पर कोई उल्लेख नहीं है। अन्य पुस्तक **'हरीश कुमार तिवारी'** द्वारा लिखित **'मंच प्रदर्शन में कलाकार एवं श्रोता'** में भी कोरोना काल का कोई उल्लेख नहीं है।

विषय कथन:-

"कोविड-19 में संगीत की स्थिति का अध्ययन (गायन के सन्दर्भ में)"

समस्या में प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या:-

1. कोविड-19

कोरोना वायरस बीमारी (कोविड-19) एक संक्रामक बीमारी है जो हाल ही में पता चले नए वायरस की वजह से होती है।

2. संगीत

वि. (सं) लय, ताल, सुर आदि के नियमानुसार मनोरंजन रूप में की गई कलात्मक प्रस्तुति जिसमें गायन, वादन, नृत्य आदि होते हैं।

3. गायन

(1) पु. (सं.) गाना, गीत। राजकमल वृहत हिन्दी शब्दकोश, बदलते समय के अनुरूप

(2) गाना गीत - मानक विशाल हिन्दी शब्दकोश-सूर्यनारायण उपाध्याय

4. अध्ययन

(1) पु. (सं) पढ़ना, पढ़ाई।

- राजकमल बृहत हिन्दी शब्दकोश बदलते समय के अनुरूप

(2) किसी विषय के सब अंगों या गूढ़ तत्वों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए उसे देखने, समझने या पढ़ने की क्रिया।

(3) पुस्तक या लेख आदि में लिखी हुई बातें या विषय देखने या पढ़ने की क्रिया।

- रफ़्तार

अध्ययन की आवश्यकता:-

सर्वेक्षण की दृष्टि से पाया कि भारत में पहले भी हैजा, फ्लू, चेचक एवं डेंगू जैसी महामारी का प्रकोप रहा है। कोविड-19 एवं संगीत से संबंधित लेखों एवं पुस्तकों का अध्ययन किया तो ज्ञात हुआ कि इस संक्रमण का प्रभाव संगीत की गायन विधाओं पर देखने को मिलता है। इन सभी तथ्यों का ध्यान रखते हुए "**कोविड-19 में संगीत की स्थिति का अध्ययन (गायन के संदर्भ में)**" हेतु प्रस्तुत विषय का चयन किया गया है।

अध्ययन का महत्व:-

प्रस्तावित शोध में अध्ययन का महत्व इस तथ्य पर आधारित है कि संगीत की स्थिति पर अनेकों शोध कार्य हुए है परन्तु कोविड-19 में संगीत की स्थिति पर किसी भी प्रकार का शोध कार्य नहीं हुआ है। अतः यह पहला ऐसा शोध कार्य होगा जो भविष्य में आने वाले संगीत विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा।

अध्ययन के उद्देश्य:-

- कोरोना के प्रभाव से संगीत की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त करना।
- शैक्षिक संस्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की स्थिति का अध्ययन करना।
- मंच-प्रदर्शन एवं कलाकारों की कला प्रस्तुति पर प्रभाव।
- संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं के परिवर्तित स्वरूपों का अध्ययन।
- कोरोना वायरस जनित कठिनाइयों से कलाकारों की आर्थिक विषम चुनौतियों का अध्ययन करना।
- कोरोना काल में संगीत की प्रायोगिक शिक्षा में संगीत शिक्षण की समीक्षा का अध्ययन करना।

विषय परिसीमांकन:-

प्रस्तुत शोधकार्य भारतीय संगीत में निहित गायन विधाओं (शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत व सुगम संगीत) को ही सम्मिलित किया जायेगा व इसमें संगीत की स्थिति को सुधार के मार्ग की ओर अग्रसर करने के सुझाव देने का पूर्ण प्रयास किया जायेगा।

अध्ययन के स्त्रोत:-

प्रस्तावित शोध कार्य पुस्तकालयों, पत्र-पत्रिकाओं, प्रश्नावली एवं संगीतकारों से साक्षात्कार करके एकत्रित किया जायेगा।

अध्ययन की कार्यविधि एवं उपकरण:-

प्रस्तुत शोध कार्य में लैपटॉप, मोबाइल, कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट का प्रयोग किया जायेगा।

शोध प्रबन्ध को अध्यायों का प्रस्तावित विभाजन:-

- भूमिका
- सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

प्रथम अध्याय - कोविड-19 एवं संगीत (परिचयात्मक अध्ययन)

द्वितीय अध्याय - कोविड-19 का संगीत विधाओं पर प्रभाव

तृतीय अध्याय - कोविड-19 का संगीत के शिक्षण पर प्रभाव

चतुर्थ अध्याय - कोविड-19 का संगीत के प्रदर्शन पर प्रभाव

पंचम अध्याय - कोविड-19 का सर्वांगीण कलाकारों एवं श्रोताओं पर विविध रूप से प्रभाव

- निष्कर्ष एवं उपसंहार

संदर्भ ग्रंथ सूची:-

1. ऋषितोष, डॉ. कुमार, संगीत शिक्षण के विविध आयाम, कनिष्का पब्लिशर्स, 2010

2. चैधरी, सुभाष रानी, संगीत के प्रमुख शास्त्रीय सिद्धान्त, नई दिल्ली-110002, 2002

3. शर्मा, डॉ. जीतराम, आधुनिक व्यावसायिक हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन परम्परा व लक्षण, संजय प्रकाशन, दिल्ली, (भारत), 2004

4. कुमार, डॉ. नरेश, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में प्रयोग एवं परिवर्तन, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्श, नई दिल्ली-110002

5. वसु गुप्ता, डॉ. लिपिक दास, संगीतशास्त्र चिन्तन, कला प्रकाशन, बी-33/33-1, न्यू साकेत कालोनी, बी.एच.यू., वाराणसी

6. मिश्रा, रूचि, भारतीय संगीत शास्त्र के विविध आयाम, कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली-110002

वेबसाइट:-

1. lucknow.prarang.in

2. https://sites.google.com/site/gangaseekha/gayaki-ke-prakara

3. http://ccrtindia.gov.in/hn/music-hindustaniclassicalmusic.php

4. www.rajasthangyan.com

प्रश्नावली

1. कोरोना महामारी का शिक्षा क्षेत्र में क्या प्रभाव पड़ा? इस संदर्भ में आपके विचार।
2. कोरोना काल में संगीत मानव जीवन के लिए किस प्रकार सहयोगी रहा। इस संदर्भ में आपके विचार।
3. कोरोना महामारी का प्रभाव शिक्षा के किस क्षेत्र पर अधिक पड़ा?
4. कोरोना का संगीत से क्या सम्बन्ध है?
5. कोरोना काल का संगीत पर क्या प्रभाव पड़ा?
6. कोरोना महामारी में वर्तमान संगीत, गायन शिक्षा का स्वरूप किस प्रकार से परिवर्तित हुआ है?
7. कोरोना काल में संगीत पर इंटरनेट का प्रभाव किस प्रकार से देखने को मिला है?
8. संगीत से सम्बन्धित संगोष्ठियों तथा कार्यशालाओं पर क्या प्रभाव पड़ा?
9. सांगीतिक गतिविधियों में कोरोना का श्रोताओं पर प्रभाव किस रूप में देखा गया?
10. संगीतकारों की आजाविका साधनों पर संक्रमण काल की किस प्रकार की विषम चुनौतियों का सामना करना पड़ा?
11. कोरोना महामारी में संगीत की वर्तमान स्थिति किस प्रकार से देखने को मिल रही है?
12. कोरोना काल में संगीत गायन की शिक्षा में किस प्रकार की बाधा उत्पन्न हुई है?